पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

परेश रावल ने हेरा फेरी-3 में वापसी कन्फर्म की

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 100 ■ मंगलवार, 1 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

कल्याण में एसटी बस की भीषण दुर्घटना

- हाइट बैरिकेड से टकराने के कारण बस क्षतिग्रस्त
- बाइक सवार घायल

कल्याण. कल्याण में वालधुनी पुल के पास भारी वाहनों को रोकने के लिए लगाए गए हाइट बैरिकेड (ऊंचाई अवरोधक) से महाराष्ट्र राज्य परिवहन बोर्ड की एक बस के तेज गति से जा टकराने से एक भयानक दुर्घटना घटी। सौभाग्यवश इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। हालांकि, पीछे से आ रही एक बाइक के उसी बस से टकराने से बाइक सवार घायल हो गया।

यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब पांच बजे घटी। बस में केवल ड्राइवर और कंडक्टर ही थे। यह बस विट्ठलवाड़ी से कल्याण डिपो यात्रियों को लेने आ रही थी। जहां से यह मुरुड जाने वाली थी। हालांकि, विट्ठलवाड़ी से कल्याण डिपो की ओर जाते समय चालक ने स्पीड बैरिकेड पर ध्यान नहीं दिया और बस उससे टकरा गई। टक्कर में बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे बस को भारी क्षति पहुंची। वहीं हाइट बैरिकेड टूटकर गिर गया.

शहर में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए आठ दिन पहले कल्याण के वालधुनी पुल पर ऊंचाई अवरोधक लगाए गए थे, लेकिन प्रशासन ऊंचाई अवरोधकों को दर्शाने वाले नोटिस बोर्ड, चेतावनी लाइट या संकेत लगाना भूल गया है। परिणामस्वरूप, यहां कई भारी वाहन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

उल्हासनगर में गड्ढों का साम्राज्य

गड्ढों के कारण सड़कें अवरुद्ध

- गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं में वृद्धि
- वाहन चालकों व नागरिकों में गुस्सा
- अधिकारियों को नजर नहीं आते गड्ढे!

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में मानसून से पहले खोदे गए गड्ढों में गिरकर मौतें और घायल होने के मामले सामने आए हैं, वहीं अब मानसून के कारण शहर की सड़कें गड्ढों से भर गई हैं या यूं कहें कि उल्हासनगर में गड्ढों का साम्राज्य हो गया है. उल्हासनगर की लगभग सभी पक्की सड़कों पर ढेर सारे गड्ढे हैं, जिससे वाहनों का उनसे होकर गुजरना मुश्किल हो जाता है। यदि आप अपना संतुलन थोड़ा भी खो देते हैं, तो कीचड़ में गिरने और घायल होने का खतरा रहता है। दिलचस्प बात यह है कि प्रभाग कार्यालय खुद गड्ढों से घिरा हुआ है, लेकिन उन्हें भरा नहीं जा रहा है।

आज कल्याण-बदलापुर राज्य राजमार्ग पर जहां भी डामर की पट्टियां हैं, वहां गड्ढे हो गए हैं। इसके अतिरिक्त, शहर के बाजार, आंतरिक सड़कें और चौराहे गड्ढों से भरे हुए हैं। कैम्प चार और पांच में भी स्थिति भिन्न नहीं है। अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वार से ही गड्ढों की श्रृंखला शुरू हो जाती है। यहां वालधुनी नदी पुल की दोनों

प्रभाग कार्यालय के ठीक सामने ही बड़े-बड़े गड्ढे

लेन पर भी गड्ढे हैं। कुर्ला कैंप रोड से स्वामी शांतिप्रकाश चौक तक की सड़क अच्छी है। लेकिन आगे गड्ढे हैं। स्वामी शांति प्रकाश (भाटिया) चौक में अब सड़क नहीं बची है। यहां गड्ढों के साथ-साथ कीचड़ भी काफी है। वार्ड समिति कार्यालय बगल में स्थित है। इसके दोनों ओर गड्ढों की रंगोली देखी जा सकती है। अधिकारीगण प्रतिदिन इस सड़क से यात्रा करते हैं। सवाल यह उठता है कि क्या उन्हें ये गड्ढे नजर नहीं आते? आगे नेताजी रोड, हिललाइन पुलिस स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क और अन्य सड़कों पर या तो कंक्रीट का काम चल रहा है या फिर डामर सड़कों पर गड्ढे हैं। इसलिए वाहन चालकों में रोष का माहौल है। शहर के फ्लाईओवर और संपर्क सड़कें भी गड्ढों के कारण समस्या बन गई हैं।

सोशल मीडिया पर आलोचना

उल्हासनगर मनपा प्रशासन शहर में गड्ढों और यातायात की समस्या को लेकर आलोचना का सामना कर रहा है। शहर में गड्ढों को लेकर एक यूट्यूबर का रैप इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। यह रैप कुलदीप सिंह लबाना नाम के अकाउंट से फैलाया गया और इसका कंटेंट है, '500 में बिक जाओगे तो ऐसी सड़कें ही पाओगे' यही कारण है कि यह रैप चर्चा में है।

फ्लाईओवर पर भी गड्ढे

उल्हासनगर शहर में परिवहन के लिए बेहद महत्वपूर्ण छत्रपति शाहू महाराज फ्लाईओवर इन दिनों गड्ढों की चपेट में है। पुल तक जाने वाली पूरी सड़क सचमुच बह गई है और हर जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। ये गड्ढे न केवल वाहन चालकों की परीक्षा लेते हैं, बल्कि उनकी जान को भी सीधे तौर पर खतरे में डालते हैं। उल्हासनगर के पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले इस पुल पर प्रतिदिन हजारों वाहन चलते हैं, लेकिन सड़क की हालत से नागरिकों में तीव्र गुस्सा और आक्रोश फैल गया है।

"पुल पर सड़क सचमुच गहरे और बड़े गड्ढों से भरी हुई है। इस सड़क पर न केवल दोपहिया और चार पहिया वाहन, बल्कि सार्वजनिक परिवहन बसें और रिक्शा भी चलते हैं। इन गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है और नागरिक दैनिक आवागमन के दौरान भय में जी रहे हैं।

गड्ढे इतने गहरे हैं कि रात में दिखाई भी नहीं देते और बाइक फिसल जाती है। अपने बच्चों को स्कूल छोड़ना बहुत तनावपूर्ण होता है। मनपा को गड्ढों को भरने के लिए और कितनी दुर्घटनाओं का इंतजार करना पड़ेगा? यह स्पष्ट नहीं है कि प्रशासन सो रहा है या जानबूझकर इसे नजरअंदाज कर रहा है। नींद की कमी से प्रशासन को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा!

कांग्रेस की पूर्व उप महापौर जया साधवानी समर्थकों के साथ शिंदे सेना में शामिल

उल्हासनगर. कांग्रेस पार्टी की पूर्व उप महापौर जया साधवानी रविवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में अपने समर्थकों के साथ शिंदे सेना में शामिल हो गईं।

उल्हासनगर मनपा की पूर्व उप महापौर और कांग्रेस पार्टी की प्रदेश पदाधिकारी जया साधवानी पिछले कुछ समय से पार्टी से नाखुश बताई जा रही थीं। रविवार को वह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में मुंबई में अपने समर्थकों के साथ शिंदे सेना में शामिल हो गए। इनमें उनके पति और पूर्व पार्षद मोहन साधवानी भी शामिल हैं।

अंबरनाथ शिव मंदिर क्षेत्र में अवैध उत्खनन

- शिव मंदिर का निर्माण खतरे में

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिव मंदिर के क्षेत्र में चल रहे अवैध उत्खनन और निर्माण से शिव मंदिर के निर्माण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा पैदा हो गया है। शिव मंदिर के साथ-साथ वालधुनी नदी के तटीय क्षेत्र में प्राचीन वृक्षों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। शिव मंदिर की सुरक्षा दीवार से सटाकर निर्माण करने वाले बिल्डरों के खिलाफ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा मामला दर्ज किया गया है, लेकिन सरकार, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अब तक कोई मामला क्यों नहीं दर्ज किया गया? यह प्रश्न हीराली फाउंडेशन की अध्यक्ष एड. सरिता खानचंदानी द्वारा पूछा गया है.

खानचंदानी ने आरोप लगाया है कि अंबरनाथ स्थित शिव मंदिर में पूजा, आरती और दक्षिणाग्रहण के लिए पुरातत्व विभाग और धर्मादाय आयोग से अनुमति नहीं ली गई थी। इस मंदिर का रखरखाव पर्याप्त रूप से नहीं किया जा रहा है। यह शिव मंदिर, प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष (एएमएएसआर) अधिनियम के तहत संरक्षित स्मारक है, यह 1,000 साल से अधिक पुराना है और महाराष्ट्र की स्थापत्य विरासत का प्रतीक है।

सरिता खानचंदानी ने आरोप लगाया है कि मंदिर परिसर के 5 से 10 मीटर के दायरे में अवैध खुदाई और निर्माण कार्य चल रहा है, जो कानून द्वारा प्रतिबंधित 300 मीटर के बफर जोन के काफी अंदर है। इस संबंध में उन्होंने पुरातत्व विभाग, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण दिल्ली के निदेशक, ठाणे पुलिस आयुक्त, एसडीओ उल्हासनगर, तहसीलदार अंबरनाथ, एमपीसीबी क्षेत्रीय अधिकारी (कल्याण) और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ अंबरनाथ नगर पालिका के उच्च अधिकारियों को ज्ञापन भेजा है। संबंधित विभागों ने भी इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

वेश्यावृत्ति मामले में महिला गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे शहर पुलिस के अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ द्वारा वेश्यावृत्ति के धंधे में लिप्त एक महिला दलाल को गिरफ्तार किया गया। चार महिला पीड़ितों को भी उसके चंगुल से बचाया गया है। अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चेतना चौधरी को सूचना मिली कि कल्याण फाटा के शील-दाघर रोड स्थित होटल शुभम कम्फर्ट रेस्टोरेंट में एक महिला दलाल कुछ असहाय महिलाओं को वेश्यावृत्ति में धकेलने का प्रयास कर रही है। तदनुसार, एक जाल बिछाया गया और एक महिला दलाल को हिरासत में लिया गया तथा चार महिला पीड़ितों को बचाया गया।

डायरिया की रोकथाम के लिए सक्रिय अभियान

- स्वच्छता, ओआरएस और जन जागरूकता का प्रभावी संयोजन

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने 'डायरिया रोको' नामक एक जन कल्याण अभियान शुरू करने का फैसला किया है, और इसे 31 जुलाई तक शहर में विभिन्न स्वास्थ्य गतिविधियों को लागू किया जाएगा। अभियान 'दस्त को हराएं, सफाई और ओआरएस के साथ इसका समर्थन करें' नारे के तहत लागू किया जाएगा, और छोटे बच्चों से लेकर नागरिकों तक स्वच्छता के महत्व और

निर्जलीकरण से निपटने के उपायों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा।

इस विशेष अभियान के तहत आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से डायरिया से पीड़ित 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को ओआरएस पाउडर और जिंक की गोलियां निःशुल्क वितरित की जाएंगी। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर डैपर पेस्ट बनाने और हाथ धोने की उचित तकनीक पर प्रदर्शन भी आयोजित किए जाएंगे। डायरिया मुख्य रूप से गंदे पानी, खुले में शौच, और यह हाथ न धोने के कारण होता है। इसलिए, अभियान व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता पर केंद्रित होगा। नगर निगम ने नागरिकों से खुले में शौच न करने तथा पानी को उबालकर या क्लोरीनेट करके ही उपयोग करने की अपील की है।

स्वास्थ्य विभाग की अपील

महानगरपालिका की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहनी धर्मा ने अपील की है कि यदि दस्त के कोई भी लक्षण दिखाई देते हैं, तो नागरिकों को तुरंत निकटतम उल्हासनगर मनपा स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए, दस्त को रोकने में निवारक उपाय और सामुदायिक भागीदारी सबसे बड़े हथियार हैं। यह अभियान सिर्फ स्वास्थ्य के बारे में नहीं है, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता के बारे में भी है।

हर घर तक स्वास्थ्य पहुंचाने का प्रयास

दस्त जैसी गंभीर बीमारी पर काबू पाने के लिए रोकथाम सबसे प्रभावी तरीका है। स्वच्छता, उचित आहार, तथा ओ.आर.एस. और जिंक का समय पर उपयोग न केवल उपचार है, बल्कि जीवन रक्षक उपकरण भी हैं। 'डायरिया रोको' अभियान के माध्यम से हम हर घर तक स्वास्थ्य पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। आशा है कि शहर का प्रत्येक नागरिक इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेगा तथा अपने एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा करेगा। यह सिर्फ एक अभियान नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ उल्हासनगर बनाने की दिशा है।

-मनीषा आव्हाले, आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका

अंबरनाथ नपा के अभियंता कुंभकर्णी निद्रा

सड़कें दुरुस्त नहीं किए जाने पर कुंभकरण का फोटो देकर अनोखा सत्कार

अंबरनाथ. अंबरनाथ के खराब रास्तों एवं रास्तों के गड्ढे भरने के लिए नगर परिषद प्रशासन एवं अभियंता को दो बार निवेदन पत्र देने के बाद भी नपा के अधिकारी कुंभकरण की नींद में सोये हुए हैं. शिवसेना के नेता विकास सोमेश्वर एवं युवा सेना अधिकारी राहुल सोमेश्वर ने सोमवार को नपा कार्यालय में जाकर 'कुंभकरण' का फोटो फ्रेम देकर अभियंता राठोड़ का अनोखा सत्कार किया और नगर परिषद को चेतावनी दी है कि अगल जल्द ही खराब रास्ते और गड्ढे भरे नहीं गए तो नपा कार्यालय में गधों की बारात लेकर आएंगे. विकास ने नपा पर ये आरोप लगाया है कि यहां रास्तों की जरूरत नहीं है, वहां पक्के रास्ते बनाए जा रहे हैं. अभियंताओं को शहरवासियों की चिंता नहीं है. वह केवल पैसों के पीछे भाग रहे हैं. उन्होंने पत्रकारों को बताया कि एक सोसायटी में सीमेंट कंक्रीट का काम ठेकेदार कर रहा है, लेकिन इस बारिश में शहर के कई रास्ते खराब हैं, उसे नहीं बनाया जा रहा है. उन्होंने आरोप किया कि शहर की जनता से टैक्स वसूल किया जा रहा है लेकिन उन्हें सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं. उन्होंने मंदिर, मस्जिद, स्कूलों के आसपास के गड्ढेमय रास्तों को पहले बनाने की मांग की है. सोमेश्वर ने नपा प्रशासन को चेतावनी दी है कि जल्द से जल्द रास्ते बनाए नहीं तो वह आंदोलन छेड़ देंगे.

चिंचपाड़ा खदान में आत्महत्या का प्रयास

- लोगों ने युवती को बचाकर पुलिस के हवाले किया

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम चिंचपाड़ा खदान में आत्महत्या करने वालों के लिए एक आसान रास्ता बन गया है. रविवार की सुबह एक 20 वर्षीय युवती ने आत्महत्या करने के इरादे से इस खदान के पानी में कूद गई. खदान के आसपास उपस्थित लोगों ने ये देखकर पास में पड़े केबल को खदान में डालकर उसे बाहर निकाला है. युवती की जान बचाने के बाद लोगों ने उसे अंबरनाथ पुलिस के हवाले किया. पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उस युवती का नाम क्या है, वह कहां की निवासी है और वह आत्महत्या क्यों करना चाहती थी?

इससे पूर्व जून महीने ही अब तक दो लोगों ने खदान के पानी में आत्महत्या की है. ये खदान आत्महत्या का सरल रास्ता इसलिए है क्योंकि इस खदान के आसपास हदबंदी दीवार या बाउंड्री नहीं है. चारों बाजू से खदान खुला है और मुख्य रास्ते के किनारे पर है. शहीद नरेश गायकवाड़ सामाजिक संस्था से जुड़े शहाबुद्दीन शेख ने अंबरनाथ नगर परिषद से मांग की है कि नगर परिषद ने इस खदान के आसपास दीवार की बाउंड्री करके यहां पर सुरक्षा रक्षक बिठाए, जिसके कारण इस खदान में कोई आत्महत्या नहीं करेगा. या फिर इस खदान को मिट्टी पत्थर डालकर बंद कर दे.

महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष के लिए रवींद्र चव्हाण का नाम तय!

- जानें क्यों माने जाते हैं प्रबल दावेदार?

मुंबई. बीजेपी ने अपनी राष्ट्रीय संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के तहत विभिन्न राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के चुनाव के लिए चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है. महाराष्ट्र में यह जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को सौंपी गई है. उत्तराखंड के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा और पश्चिम बंगाल के लिए रविशंकर प्रसाद चुनाव अधिकारी बनाए गए हैं.

इसके साथ ही संकेत मिल रहे हैं कि बीजेपी जल्द ही कई राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करेगी. महाराष्ट्र में फिलहाल सबसे चर्चित सवाल यही है कि अगला प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा?

राज्य के मौजूदा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के राजस्व मंत्री बनने के बाद यह पद खाली हुआ है. इसके बाद से प्रदेश संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. इस पद के लिए रवींद्र चव्हाण का नाम लगभग तय माना जा रहा है. वे ठाणे जिले की डोंबिवली सीट से विधायक हैं. जनवरी 2025 में उन्हें प्रदेश का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था, जिसे अध्यक्ष पद की तैयारी के रूप में देखा गया.

- संगठन को किया मजबूत

रवींद्र चव्हाण ने 'संगठन पर्व' अभियान के तहत प्रदेश में संगठन को मजबूत किया. स्थानीय चुनावों से लेकर सदस्यता अभियान तक रवींद्र चव्हाण सक्रिय रहे. हाल ही में नागपुर में हुई कार्यकारिणी बैठक में बावनकुले ने भी उनके नाम के संकेत दिए. जिला और संभाग स्तर के संगठनात्मक चुनाव पूरे हो चुके हैं. पार्टी ने महीने के अंत तक नई नियुक्तियों की घोषणा के संकेत दिए हैं. गौरतलब है कि चंद्रशेखर बावनकुले के नेतृत्व में बीजेपी ने महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी. इसके बाद बावनकुले मंत्रिमंडल में शामिल हो गए. अब महाराष्ट्र बीजेपी को नए अध्यक्ष का इंतजार है.

पारिवारिक विवाद के चलते कोयते से हमला, 2 घायल

- आरोपी गिरफ्तार

अंबरनाथ. पारिवारिक विवाद के चलते पूर्व दिशा में वेलफेयर चौक पर दो लोगों पर कोयते से हमला कर दिया गया। हमले में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी रिक्शा चालक लाभेश म्हात्रे (43) ने वेलफेयर चौक के पास अचानक अपनी पत्नी और उसके वर्तमान पति दोनों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी की पत्नी कुछ समय पहले उससे अलग हो गई थी।

इसके बाद आरोपी की पत्नी ने अपने पति की बहन के तलाकशुदा पति से शादी कर ली। आरोपी अभी भी इस बात से नाराज था कि उसने अपनी बहन को तलाक दे दिया था और अपनी पत्नी के साथ जीवन शुरू कर दिया था। अंत में गुस्से में आकर आरोपी ने यह चरम कदम उठाया और दोनों पर कोयते से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही शिवाजीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल ने बताया कि इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर आरोपी लाभेश म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

मामूली बातों पर हो रही हत्या

पिछले कुछ वर्षों से शहरों-महानगरों में सड़कों पर यह विडंबना तेजी से बढ़ी है कि बेहद मामूली बात पर दो पक्ष आपस में उलझ जाते हैं और कई बार टकराव इस कदर हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेता है कि उसमें किसी की जान चली जाती है। सड़कों पर हिंसा की यह एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो न केवल नाहक उपजे तात्कालिक गुस्से के बेलगाम होने का नतीजा होती है, बल्कि इसका अंजाम एक अपराध के रूप में भी सामने आता है।

आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें दो वाहन चालक या लोग गलती से हल्की टक्कर होने या फिर बेहद छोटी बात पर हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। गौरतलब है कि शुक्रवार को दिल्ली के नंदनगरी इलाके में गलती से एक ई-रिक्शा एक कार से टकरा गया, जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। मगर सिर्फ इतनी-सी बात के लिए कार चालक ने आवेश में आकर ई-रिक्शा चालक को गोली मार दी। यह समझना मुश्किल है कि महंगी गाड़ियों में हथियार लेकर चलने के शौक के पीछे कौन-सी ग्रंथि काम कर रही होती है। मगर कई बार सड़क पर शान या रौब और दूसरे पर हावी होने की जैसी प्रवृत्ति पाई जाती है, उसमें कुछ लोगों की आक्रामकता दूसरों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। खासकर जब उसके पास कोई खतरनाक हथियार भी हो। नतीजतन, जिन बातों पर टकराव भी नहीं होना चाहिए, उन पर हत्या तक कर दी जाती है।

नंदनगरी में बेहद मामूली बात पर ई-रिक्शा चालक को गोली मार देने के पीछे भी आक्रोश था, जिसे कुछ पल के धीरज से टाला जा सकता था। दरअसल, अपनी गाड़ी से किसी अन्य वाहन के छू जाने, हल्की टक्कर होने या फिर आगे निकलने पर होने वाली बहसें आजकल चिंताजनक रूप से हिंसक टकराव में तब्दील होती देखी जा रही हैं। सड़कों पर यह एक ऐसी विकृति पल रही है, जिसका शिकार कोई भी हो सकता है, क्योंकि अनदेखी करने लायक बातों पर भी जिस तरह के टकराव खड़े हो जाते हैं, उनमें वहां बात करने और आपसी समझ और सद्भाव से विवाद को सुलझाने की गुंजाइश कम होती जा रही है।

देश और सरकार विरोध में भेद करे कांग्रेस

वर्तमान में कांग्रेस संतुलित एवं सामान्य राजनीतिक गतिविधियों वाली पार्टी नहीं दिख रही। राहुल गांधी और उनके सलाहकार-रणनीतिकार, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आदि के वक्तव्य-क्रियाकलाप देखकर ऐसा ही लगता है। कई कांग्रेस नेताओं की भी ऐसी ही धारणा है कि उनकी पार्टी की दशा-दिशा और रीति-नीति वह है ही नहीं, जो कांग्रेस की होनी चाहिए।

पिछले दिनों मणिशंकर अय्यर ने कहा था कि आज की कांग्रेस न पं. नेहरू की कांग्रेस है, न इंदिरा गांधी की और यह राजीव गांधी की भी कांग्रेस नहीं है। यह सच है कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। इस कारण सरकार के फैसलों की निर्मम समीक्षा और विभिन्न मुद्दों पर आक्रामक होकर उसे घेरना कांग्रेस का कर्तव्य है, लेकिन जब बात देश हित की आए तो पार्टी से उम्मीद की जाती है कि वह सामान्य परिपक्वता दिखाएगी, परंतु कांग्रेस इसके ठीक उलट विरोध के नाम पर अतिवादी आचरण करती दिख रही है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी देश के अंदर युद्ध लड़ रहे हैं और भारत में राजनीतिक बदलाव के लिए विदेश से समर्थन पाने की कोशिश में लगे हैं। वे विदेश में भारत की ऐसी डरावनी तस्वीर प्रस्तुत करते हैं जैसे देश में धर्म, अभिव्यक्ति, राजनीतिक गतिविधियों और अन्य वैयक्तिक स्वतंत्रताओं को सत्ता के दुरुपयोग से नष्ट कर दिया गया है।

सोनिया गांधी ने हाल में एक अंग्रेजी दैनिक में लिखे आलेख में ईरान-इजरायल युद्ध में सरकार की नीति की आलोचना करते हुए मांग की कि केंद्र सरकार को इस पर मुंह खोलना चाहिए। उनके कहने का आशय था कि भारत को ईरान के साथ खड़ा होना चाहिए। इजरायल-

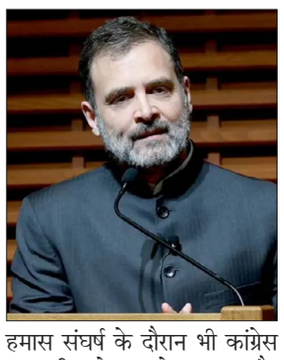

हमास संघर्ष के दौरान भी कांग्रेस फलस्तीन के बहाने हमास और उसकी समर्थक इस्लामिक शक्तियों के साथ खड़ी दिखी, किंतु उसने हमास द्वारा निरपराध इजरायलियों की हत्या पर एक शब्द नहीं बोला।

आपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया में पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए भारत सरकार ने सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजे। इसमें कांग्रेस के भी सदस्य थे। हैरानी की बात है कि कांग्रेस के रणनीतिकारों ने अपने ही सदस्यों शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी के चरित्र हनन का प्रयास किया। अपने ही नेताओं के वक्तव्यों और भूमिका पर लगातार कटाक्ष से बड़ा अतिवाद क्या हो सकता है?

थरूर के विरुद्ध तो पार्टी के अंदर ऐसा अभियान चल रहा है जैसे उन्होंने कांग्रेस से गंभीर विश्वासघात कर दिया है। आपरेशन सिंदूर के बाद देश के अंदर भी एक बड़ा दुष्प्रचार अभियान चला, जो आज तक जारी है। राहुल गांधी यहां तक कहने लगे कि ट्रंप ने फोन किया और प्रधानमंत्री ने युद्ध विराम कर दिया। उन्होंने इसकी कोई चिंता नहीं की कि इससे भारत की कमजोर देश की छवि बनती है, जो अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान जैसे आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देशों के विरुद्ध भी कार्रवाई से पीछे हट सकता है।

राहुल गांधी चुनाव आयोग जैसी संस्था को भी भाजपा का आदेशपालक साबित करने के लिए हर सीमा लांघ चुके हैं। महाराष्ट्र चुनाव परिणाम के किसी तथ्यात्मक आंकड़े और उत्तर से उनका लेना-देना नहीं है। ईवीएम के विरुद्ध दुनिया भर में अभियान और भारत की चुनाव प्रणाली को बदनाम करना इन दिनों कांग्रेस के एजेंडे में सबसे ऊपर दिख रहा है। जबकि सुप्रीम कोर्ट भी इस पर सुनवाई कर चुका है। बावजूद इसके कांग्रेस के रवैये में बदलाव नहीं आ रहा है।

क्या कांग्रेस यह सब अनजाने में कर रही है या इसके पीछे उसकी कोई सोची-समझी दूरगामी नीति और योजना है? मुस्लिम वोट पाने और उसे बनाए रखने की उसकी रणनीति तो साफ है, पर लगता है यह यहीं तक सीमित नहीं है। एक समय दुनिया भर में हिंसक क्रांति से सत्ता परिवर्तन करने या सत्ता पर कब्जा करने की राजनीति करने वाली वामपंथी पार्टियां इसी तरह दुष्प्रचार से छवि बनाती थीं कि संपूर्ण सत्ता कुछ लोगों, पूंजीपतियों की गिरफ्त में है।

न्यायपालिका, कार्यपालिका सब एक होकर उसका साथ दे रही हैं। आमजन शोषण-दमन के शिकार हो रहे हैं, उनके अधिकार कुचले जा रहे हैं। संविधान और कानून के कोई मायने नहीं रह गए हैं। लोगों में असंतोष पैदा कर विद्रोह के लिए उकसाना और फिर खूनी क्रांति एवं सरकारों को सत्ता से बेदखल करने तक अभियान चलता रहता था।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

महिलाओं के प्रति प्रबल होता जा रहा अपराध

यह चिंता दिनोंदिन गहरी होती जा रही है कि आखिर महिलाओं के प्रति हिंसा और अपराध का मानस क्यों प्रबल होता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में महिला अपराधों के खिलाफ व्यापक आंदोलन उभरने, कानूनी सख्ती और पुलिस की जवाबदेही बढ़ाए जाने के बावजूद बलात्कार, हत्या, मारपीट, छेड़खानी, फब्ती कसने जैसी प्रवृत्ति में कोई कमी दर्ज नहीं हो पाई है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो और महिला आयोगों के दस्तावेजों में हर वर्ष महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज हो रही हैं।

स्वाभाविक ही, इसे लेकर राज्यों की कानून-व्यवस्था पर अंगुलियां उठती हैं। पर यह सवाल अनुत्तरित है कि क्यों अपराधियों में कानून का भय पैदा नहीं हो पा रहा। कोलकाता में चिकित्सा छात्रा से बलात्कार और हत्या की घटना को लेकर लंबे समय तक आंदोलन चला, जिसमें तमाम मेडिकल कालेजों और दूसरे शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़ कर शिरकत की और बढ़ते महिला अपराधों को रोकने के नारे लगाए। राज्य सरकार ने इस मामले के मद्देनजर महिला सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने के वचन दोहराए और कुछ प्रशासनिक तब्दीलियां कर ऐसे अपराधों को रोकने का दावा किया। मगर उस घटना के बाद अब एक विधि कालेज में

छात्रा से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आ गया।

जिन विद्यार्थियों पर छात्रा के साथ बलात्कार का आरोप है, वे खुद कानून की पढ़ाई कर चुके या कर रहे थे। बताया जा रहा है कि लड़की ने मुख्य आरोपी के विवाह प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जिससे आहत होकर उसने छात्रा के साथ न केवल बलात्कार किया, बल्कि उसकी तस्वीरें भी उतारीं। धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर डाल देगा। इस मामले में ऐसा नहीं माना जा सकता कि आरोपियों को अपने अपराध में मिलने वाले दंड का अंदाजा न था। फिर भी उनमें छात्रा का बलात्कार करने की हिम्मत पैदा हुई, तो इसका पहला कारण तो यही समझ आता है कि उन्हें कानून के शिकंजे से निकल भागने का भरोसा रहा होगा।

बलात्कार के ज्यादातर मामलों में आरोप सिद्ध न हो पाने के कारण आरोपी प्रायः दोषमुक्त हो जाते हैं। इसलिए भी बहुत सारे अपराधी किस्म के लोग ऐसी हरकतों से बाज नहीं आते। इसलिए निर्भया कांड के बाद महिला अपराधों के खिलाफ कानूनों को और कठोर बनाने के बावजूद कोई उल्लेखनीय असर नजर न आने के कारण बहुत सारे लोग इन कानूनों की समीक्षा की मांग उठाते रहते हैं।

किसी भी राज्य में सुशासन का दावा इस बात से पुष्ट होता है कि वहां अपराधियों पर कितना अंकुश लगाया जा सका है। पश्चिम बंगाल सरकार अपराध पर काबू पाने के दावे करती नहीं थकती, मगर ऐसी घटनाओं से यही जाहिर होता है कि संगठित अपराधों की तो क्या कहें, सामान्य रंजिश में भी लोग जघन्य अपराध करने से नहीं हिचक रहे।

आरजी कर अस्पताल में बलात्कार और हत्या की घटना के बाद अगर शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा के बंदोबस्त चुस्त होते और सचमुच विद्यार्थियों में इसे लेकर संजीदगी पैदा हुई होती, तो शायद विधि विद्यालय की ताजा घटना न घटती। फिर बड़ा सवाल यह भी है कि आखिर युवाओं में इस तरह अपराध का मानस कैसे बन रहा है कि वे अपने किसी प्रस्ताव या फैसले के इनकार को सहन नहीं कर पा रहे और हिंसक हो उठते हैं।

वैज्ञानिकों को मिला 2400 साल पुराना शहर

जरा हट के

दुनिया को इतिहास का बारे में अब इतना पता लग ही चुका है कि ऐसा लगता है कि दुनिया में जगह जगह पर पुरानी सभ्यताओं की खोज की जा चुकी है और अब कहीं बड़ा शहर मिलना मुश्किल ही है. पर क्या ऐसा हो सकता है कि किसी शहर के नीचे वैज्ञानिकों को एक शहर के अवशेष मिल जाएं? यह हैरान करने वाली घटना हुई है. आधुनिक सैटेलाइट तकनीक

के इस्तेमाल से शोधकर्ता मिस्र में इमेट नाम के एक प्राचीन शहर की खोज पाएं है.

इमोट 2400 साल पुराना है. यह चौथी शताब्दी ईसा पूर्व का है. पुरातत्वविदों ने इसे टेल एल-फरैन में खोजा. यह मिस्र के नील डेल्टा में है. मैनचेस्टर विश्वविद्यालय और काहिरा के सादात सिटी विश्वविद्यालय की टीम ने यह खोज की. डॉ. निकी नील्सन ने इस अभियान का नेतृत्व किया. उन्होंने कई अनोखी चीजें पाईं.

कैसे हुई खोज?

पता चला है कि इमेट में समृद्ध अर्थव्यवस्था थी. धार्मिक परंपराएं भी थीं. टीम ने कहा, "हम नील डेल्टा के इतिहास को फिर से जीवित कर रहे हैं." पुरातत्वविदों ने आधुनिक तकनीक का उपयोग किया. उन्होंने हाई-रेजोल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी का इस्तेमाल किया. इससे पुरानी मिट्टी की ईंटें मिलीं. इनसे बहुमंजिला इमारतों के अवशेष पाए गए. इन इमारतों की नींव बहुत मोटी थी. इन्हें "टावर हाउस" नाम दिया गया.

बढ़ती आबादी के लिए इमारत

डॉ. नील्सन ने बताया, "टावर हाउस नील डेल्टा में मिलते हैं. ये देर अवधि से रोमन काल तक थे. इमेट में इनकी मौजूदगी दिखाती है कि यह एक व्यस्त शहर था." ये इमारतें बढ़ती आबादी के लिए बनाई गई थीं. इमेट एक शहरी केंद्र था. पुरातत्वविदों ने एक और आश्चर्यजनक खोज की. उन्हें एक बड़ा भवन मिला. यह मध्य-प्टोलेमिक काल का है. यह शहर के बाकी हिस्सों से पुराना है.

सिरके वाली प्याज

खाना-खजाना

रेस्टोरेंट में मिलने वाली खट्टी-मीठी सिरके वाली प्याज खाना भला किसे पसंद नहीं होता है। अगर आप भी इसके दीवाने हैं, तो यहां हम आपके लिए इसे घर पर बनाने की लाजवाब रेसिपी लेकर आए हैं। जी हां, इसकी मदद से आप बोरिंग खाने का स्वाद भी बढ़ा सकते हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को अपनी कुकिंग से इम्प्रेस कर सकते हैं।

सामग्री :

- सफेद सिरका: 1 कप
- छोटी प्याज : 250 ग्राम
- पानी: 1 कप
- चीनी: 2 बड़े चम्मच
- नमक: 1 छोटा चम्मच
- चुकंदर का छोटा टुकड़ा: 1 इंच का टुकड़ा (रंग के लिए, ऑप्शनल)
- हरी मिर्च: 2-3 (लंबाई में चीरा लगाकर, ऑप्शनल)
- साबुत काली मिर्च: 5-6 दाने

विधि :

सबसे पहले प्याज को छील लें। अगर प्याज थोड़ी बड़ी हैं तो उन्हें बीच से आधा काट सकते हैं। छोटी प्याज ज्यादा अच्छी लगती हैं।

एक पैन में सिरका, पानी, चीनी और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसे मध्यम आंच पर गरम करें और चीनी घुलने तक चलाएं। उबालना नहीं है, बस गरम करना है।

अगर आप सिरके वाली प्याज को सुंदर गुलाबी रंग देना चाहते हैं, तो इसमें चुकंदर का टुकड़ा डाल दें। साथ ही, अगर आपको तीखा पसंद है, तो हरी मिर्च और काली मिर्च भी डाल दें। एक कांच का साफ और सूखा जार लें। इसमें छिली हुई प्याज डालें।

अब तैयार सिरके के गरम घोल को प्याज वाले जार में धीरे-धीरे डालें। ध्यान रहे कि प्याज पूरी तरह से घोल में डूबी हुई हों। जार को ढककर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद, इसे फ्रिज में रखें। आप इसे बनाने के 2-3 घंटे बाद से ही खाना शुरू कर सकते हैं, लेकिन इसका सबसे अच्छा स्वाद 24 घंटे बाद आता है, जब प्याज सिरके का स्वाद अच्छी तरह सोख लेती हैं। यह फ्रिज में 10-15 दिनों तक ताजी रहती है।

आज का राशिफल

मेष : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृषभ : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

मिथुन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क : किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

सिंह : घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

कन्या : शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंबे समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक : घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

धनु : आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें।

कुंभ : शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मीन : चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कार्डियक अरेस्ट ट्रिगर कर सकते हैं ये 7 फैक्टर्स

■ मामूली समझकर न करें इग्नोर

कार्डियक अरेस्ट एक गंभीर मेडिकल इमरजेंसी है, जिसमें दिल की धड़कन अचानक बंद हो जाती है। यह समस्या किसी को भी, किसी भी उम्र में हो सकती है। पिछले कुछ सालों में इसके कई मामले सामने आए हैं, जो इस ओर इशारा करते हैं कि हम अपने दिल का ख्याल नहीं रख रहे हैं। कुछ ऐसे सामान्य लगने वाले फैक्टर्स हैं, जो कार्डियक अरेस्ट को ट्रिगर कर सकते हैं, लेकिन लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए इन फैक्टर्स के बारे में जानना जरूरी है। आइए जानें कार्डियक अरेस्ट ट्रिगर कर सकने वाले फैक्टर्स।

■ स्ट्रेस और एंग्जायटी

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्ट्रेस एक आम समस्या बन गई है। लंबे समय तक तनाव में रहने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है और दिल पर दबाव पड़ता है। अचानक बहुत ज्यादा स्ट्रेस, जैसे- बुरी खबर सुनना या कोई दुर्घटना एड्रेनालाईन हार्मोन के लेवल को बढ़ाकर कार्डियक अरेस्ट का कारण बन सकती है।

■ डिहाइड्रेशन

शरीर में पानी की कमी होने से ब्लड प्रेशर कम हो सकता है और इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस हो सकता है। यह हार्ट रेट को प्रभावित कर सकता है और कार्डियक अरेस्ट को ट्रिगर कर सकता है। इसलिए भरपूर मात्रा में पानी पीना जरूरी है।

■ नींद की कमी

पूरी नींद न लेना दिल के लिए

हानिकारक हो सकता है। नींद की कमी से ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापे का खतरा बढ़ता है, जो कार्डियक अरेस्ट के अहम कारण हैं। रात में 6-7 घंटे से कम सोने वाले लोगों में दिल की बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है।

■ स्मोकिंग-शराब पीना

सिगरेट और अल्कोहल दिल के लिए बेहद खतरनाक है। स्मोकिंग से आर्टरीज सख्त होती हैं और दिल को ऑक्सीजन कम मिलती है। इसी तरह, ज्यादा शराब पीने से हार्ट रिदम अनियमित हो सकता है, जिससे कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है।

■ ज्यादा फिजिकल लेबर

व्यायाम करना सेहत के लिए अच्छा है, लेकिन अचानक बहुत ज्यादा फिजिकल लेबर करने से दिल पर जोर पड़ सकता है। खासकर जो लोग पहले से एक्सरसाइज नहीं करते, उन्हें एकदम से भारी वर्कआउट नहीं करना चाहिए। कभी-कभी ज्यादा थकान या डिहाइड्रेशन के कारण भी कार्डियक अरेस्ट हो सकता है।

■ कुछ दवाएं और एनर्जी ड्रिंक्स

कुछ दवाएं, जैसे कि कुछ पेनकिलर्स या एंटीडिप्रेसेंट्स, भी हार्ट रेट को प्रभावित कर सकती हैं। इसके अलावा, एनर्जी ड्रिंक्स में मौजूद कैफीन और अन्य पदार्थ दिल की धड़कन को अनियमित कर सकते हैं, जिससे कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ सकता है।

■ अचानक ठंडा पानी या ठंड के संपर्क में आना

कुछ मामलों में, अचानक ठंडे पानी से नहाने या ज्यादा ठंड के कॉन्टेक्ट में आने से शरीर में शॉक लग सकता है, जिससे हार्ट बीट रुक सकती है। यह खासकर उन लोगों के लिए खतरनाक है जिन्हें पहले से ही दिल से जुड़ी समस्याएं हैं।

शरीर में यूरिक एसिड का हो गया जमावड़ा?

■ इन 5 हेल्दी ड्रिंक्स में कोई 1 पीना करें शुरू
■ 15 दिन में दिखेगा असर!

यूरिक एसिड की समस्या जब बढ़ जाती है, तब डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लेनी पड़ती हैं, क्योंकि यूरिक एसिड को नजरअंदाज करने से किडनी फेलियर की नौबत आ सकती है. इसे कंट्रोल करने के लिए लोग तमाम चीजों का सेवन करते हैं. लेकिन, आपको बता दें कि कुछ हेल्दी ड्रिंक्स इस परेशानी में अधिक कारगर हो सकते हैं. अब सवाल है कि आखिर यूरिक एसिड से बचने के लिए कौन से ड्रिंक्स लें? क्या कोई ड्रिंक्स यूरिक एसिड दूर कर सकता है? इस बारे में बता रही हैं कैलाश दीपक हॉस्पिटल दिल्ली की सीनियर डाइटिशियन ऋचा शर्मा-

सुबह उठकर अपने दिन की शुरुआत नींबू-पानी से करें. नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो ब्लड वैसल्स में इलास्टिसिटी को बढ़ाता है. मतलब लचीलापन लाता है. वहीं इससे शरीर हाइड्रेट रहता है. इस कारण यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है.

एक्सपर्ट के मुताबिक, हल्दी में कर्क्यूमिन नाम का कंपाउंड होता है, जो यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मददगार है.

अदरक में जिंजरॉल नाम का कंपाउंड होता है, जो यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है. आप सुबह खाली पेट अदरक के पानी का सेवन कर सकते हैं.

लौकी एक हरी सब्जी है जिसे सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. लौकी के जूस का रोज़ाना सेवन कर यूरिक एसिड के लेवल को कंट्रोल किया जा सकता है.

चुकंदर का जूस पीने से यूरिक एसिड को कम करने में मदद मिल सकती है. चुकंदर को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है.

ग्रीन टी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो यूरिक एसिड को कम करने में मदद कर सकते हैं. रोजाना इस ड्रिंक का सेवन करने से वजन को भी कम करने में मदद मिल सकती है.

खरीदने के 2 दिन बाद ही सड़ने लगता है धनिया-पुदीना?

■ फ्रीज में रखने से पहले कर लें ये काम
■ नहीं गलेंगी एक भी पत्तियां

गर्मियों में खासतौर पर धनिया और पुदीना का इस्तेमाल खाने में खूब होता है. ये दोनों पत्तेदार चीज़ें न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाती हैं बल्कि इसकी खुशबू से भी भूख बढ़ती है. लेकिन एक आम समस्या यह होती है कि बाजार से ताजा धनिया या पुदीना खरीदने के एक-दो दिन बाद ही ये सड़ने या गलने लगते हैं. फ्रीज में रखने के बावजूद इनकी ताजगी नहीं बचती और पत्तियां पीली पड़ जाती हैं या काली होकर गल जाती हैं. ऐसे में न तो ये खाने लायक रहते हैं और न ही चटनी या गार्निश में इस्तेमाल हो पाते हैं. लेकिन अगर आप इन्हें स्टोर करने से पहले कुछ आसान से स्टेप्स फॉलो कर लें, तो ये 10-15 दिन तक ताजे बने रह सकते हैं.

सबसे पहले जब भी आप बाजार से धनिया या पुदीना लेकर आएं, तो उसे ऐसे ही पॉलिथीन या थैले में बंद करके सीधे फ्रिज में न रखें. इससे पत्तियों को हवा नहीं मिलती और उनमें नमी जम जाती है, जो सड़न का कारण बनती है. इसके बजाय सबसे पहले इन पत्तियों को किसी साफ सतह पर फैलाकर रख दें और सारी गली-सड़ी, पीली या काली पत्तियां अलग कर दें. साथ ही मोटी डंठलें और गंदगी भी हटा दें. इसके बाद इन्हें साफ पानी से एक-

दो बार धो लें ताकि धूल-मिट्टी और कीटनाशक के अंश निकल जाएं. ध्यान रहे कि इन्हें धोने के बाद सीधे फ्रिज में न रखें. पहले एक सूती कपड़े या किचन टॉवल पर फैला दें और पूरी तरह सूखने दें. नमी बाकी रहने पर भी ये जल्दी खराब हो सकते हैं.

अब बात आती है स्टोर करने की सही विधि की. जब पत्तियां पूरी तरह सूख जाएं, तो उन्हें एक एयरटाइट कंटेनर या फिर पेपर टॉवल में लपेटकर किसी प्लास्टिक या ग्लास डिब्बे में रखें. चाहें तो एक जिप लॉक बैग में भी इन्हें स्टोर किया जा सकता है. अगर आप चाहते हैं कि ये और भी लंबे समय तक ताजे बने रहें, तो कंटेनर के नीचे थोड़ा सा टिशू पेपर बिछा दें. यह टिशू एक्स्ट्रा नमी सोख लेता है और पत्तियों को गलने से बचाता है. हर दो-तीन दिन में टिशू पेपर को बदलते रहें, इससे धनिया और पुदीना कई दिनों तक ताजगी बनाए रखेंगे.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बिस्तर लगा रही नव विवाहिता को सांप ने डंसा, शादी के चार माह बाद ही महिला की मौत

गोंडा. गोंडा में शादी के चार महीने बाद ही एक नवविवाहिता की मौत हो गई। महिला अपने बेडरूम में बिस्तर लगा रही थी, इसी दौरान सांप ने डंस लिया। उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज गोंडा रेफर कर दिया गया, लेकिन फिर डॉक्टर महिला की जान नहीं बचा पाए। घटना तरबगंज ब्लॉक के गिरधरपुर नागनाथ पुरवा की है। जहां की सरिता 20 वर्ष पत्नी सुरेश रविवार की रात करीब आठ बजे कमरे में बेड पर बिस्तर लगा रही है। इसी बीच बेड के नीचे बैठे सांप ने उसके पैर में डंस लिया। सरिता की चार माह पहले फरवरी माह में सुरेश के साथ शादी हुई थी। दो माह पहले पति सुरेश नौकरी के लिए पुणे शहर गया था। घटना की सूचना के बाद वापस घर के लिए निकला। काटने के बाद सांप पूरी रात घर में बैठा रहा। सुबह लोगों ने पकड़ कर जंगल में छोड़ा है।

देवरिया में व्यापारी के बेटे को गोली मारी

देवरिया. यूपी के देवरिया में बाइक से घर लौट रहे एक व्यापारी के बेटे को बदमाशों ने गोली मार दी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर कर तड़पने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने किशोर को सड़क पर तड़पता देखा तो पुलिस और घरवालों को खबर की। सूचना मिलते ही परिवारीजन भागते हुए मौके पर पहुंचे। घायल किशोर को वे आनन-फानन में महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले गए। देवरिया मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने किशोर की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद किशोर को गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

नेपाल से 37 हजार क्यूसेक छोड़ा गया पानी, राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने से अलर्ट

नेपाल की पहाड़ियों पर हो रही बारिश के कारण पिछले कई दिनों से बलरामपुर समेत अन्य जिलों के पहाड़ी नाले उफान पर थे। इस बीच सोमवार को नेपाल से छोड़े गए पानी से राप्ती नदी का जल स्तर भी तेजी से बढ़ने लगा है। हालांकि जितना पानी नेपाल से छोड़ा गया है उससे अभी बाढ़ जैसी कोई स्थिति जिले में नही होगी। नेपाल के पहाड़ियों पर पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। इससे जिले के पहाड़ी नालों में कुछ दिनों पूर्व बाढ़ भी आ गई थी। जिससे आधा दर्जन गांव घिर गए थे। सोमवार को नेपाल से राप्ती बैराज में 37000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिससे राप्ती नदी का जल स्तर तेजी बढ़ रहा है। सिसई घाट स्थित बाढ़ आकलन केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक़ आज देर शाम तक राप्ती नदी का जल स्तर चेतवानी बिंदू तक पहुंच जायेगा। इससे नदी के तटवर्ती इलाकों के लोगों को बाढ़ का डर सताने लगा है। आपदा विशेज्ञ अरुण सिंह ने बताया की नेपाल से 37000 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की सूचना मिली है। इतने पानी से बाढ़ जैसी कोई स्थिति नही होगी। नेपाल के पहाड़ियों पर फिलहाल बारिश रुकी हुई है। किसी को पैनिक होने की जरूरत नहीं है।

8 साल की सगी भतीजी से चाचा ने की दरिंदगी, रेप के बाद बेरहमी से की हत्या, छिपाया शव

गोंडा. यूपी के गोंडा जिले में आठ साल की मासूम के साथ दुष्कर्म कर उसकी लाश को झाड़ियों फेंक देने के मामले में पुलिस ने उसे चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि नशे की हालत में घूम रहा चाचा ही लड़की को अकेला पाकर उसे करीब डेढ़ किलोमीटर दूर ले गया। वहां बच्ची के साथ रेप करने के बाद गला दबाकर उसकी हत्या कर शव को नदी के किनारे झाड़ी में पत्तियों से छिपा दिया था। मौका-ए-वारदात पर मिली चप्पल के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची और उसे गिरफ्तार किया। कौड़िया थाना क्षेत्र में आठ वर्षीय नाबालिग बच्ची घर से आम बीनने के लिए बाग को गई हुई थी। दोपहर तक घर वापस नहीं आई जिस पर परिजनों ने उसकी खोज शुरू की लेकिन नहीं मिली। इसके बाद बच्ची का सगा चाचा ही घर पर आया और लड़की को ढूंढ़ लाने का दावा किया। वह परिजनों को घटनास्थल पर ले जाकर शव को झाड़ी में पत्तियों से बाहर निकाला।

तेलंगाना में भीषण हादसा, 8 की मौत

- दवा फैक्ट्री के रिएक्टर में विस्फोट के बाद लगी आग

संगारेड्डी. तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पाशमिलाराम औद्योगिक एस्टेट में एक केमिकल फैक्ट्री में हुए विस्फोट में कम से कम 8 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक हादसे में 15 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर तैनात हैं। कई मजदूरों के अब अंदर भी अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। यहां माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज और अन्य फार्मा एक्सीपिएंट्स बनाने वाली कंपनी सिगाची इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की एक यूनिट में अचानक जोरदार धमाका हुआ। पटनचेरू पुलिस स्टेशन के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 5 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया, पांच मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन अन्य ने पटनचेरू के अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोगों की हालत गंभीर है।

लोगों को सांस लेने में दिक्कतें

अधिकारियों ने बताया है कि हादसे में आस-पास की बिल्डिंगों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई है। आसपास के क्षेत्रों में काला धुआं फैलने से लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत भी सामने आई है। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके से लोगों को बाहर निकाला जा रहा है।

100 मीटर दूर जा गिरे मजदूर

पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि विस्फोट की वजह से इंडस्ट्रियल शेड के चिथड़े उड़ गए। धमाका इतना जोरदार था कि कुछ मजदूर करीब 100 मीटर दूर जा गिरे। एक अधिकारी ने बताया, "लगभग सभी मजदूर फैक्ट्री से बाहर निकल आए, लेकिन कुछ मजदूरों के अभी भी के अंदर फंसे होने की आशंका है।"

ट्रेन निकलने से 8 घंटे पहले कन्फर्म होगा टिकट

- रेलवे देशभर में लागू करेगा नियम

नई दिल्ली. अब ट्रेनों का रिजर्वेशन चार्ट ट्रेन निकलने से 8 घंटे पहले तैयार किया जाएगा। अभी तक यह चार्ट सिर्फ 4 घंटे पहले बनता था। इससे यात्रियों को टिकट कन्फर्म नहीं होने पर वैकल्पिक यात्रा या दूसरा टिकट बुक करने के लिए ज्यादा वक्त मिलेगा।

ये फैसला हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद लिया गया है। रेलवे बोर्ड जल्द ही इन बदलावों को फेज वाइज लागू करेगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे बोर्ड को इस बदलाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्देश दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसे 1 जुलाई, 2025 से शुरू करने की योजना है। शुरुआत में इसे कुछ खास ट्रेनों पर लागू किया जाएगा।

यह नियम मुख्य रूप से लंबी दूरी की ट्रेनों के लिए है। लेकिन शुरुआत में इसे चुनिंदा ट्रेनों, जैसे हमसफर श्रेणी की ट्रेनों पर लागू किया जाएगा। बाद में इसे राजधानी, शताब्दी, मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट जैसी अन्य ट्रेनों तक बढ़ाया जाएगा।

जिन ट्रेनों का डिपार्चर दोपहर 2 बजे से पहले है, उनका चार्ट एक दिन पहले रात 9 बजे तैयार होगा। उदाहरण के लिए अगर ट्रेन सुबह 8 बजे की है तो उसका चार्ट रात 9 बजे बन जाएगा। इससे सुबह की ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों को भी पर्याप्त समय मिलेगा।

पहाड़ी राज्यों में बारिश से तबाही

- हिमाचल में गाड़ियों के सामने दरका पहाड़
- शिमला में 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी
- बदरीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड

बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर गोचर बंदखंड के पास लैंडस्लाइड हुआ है। मलबा सड़क पर आ गया।

नई दिल्ली. देश के सभी राज्यों में मानसून पहुंच गया है। बीते 24 घंटे से पहाड़ी राज्यों में तेज बारिश का सिलसिला जारी है। हिमाचल के सोनल में गाड़ियों के सामने पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा लैंडस्लाइड के बाद रोड पर आ गया। वहीं उत्तराखंड में लैंडस्लाइड के बाद बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर का लंबा जाम लगा है।

गाड़ियों की सामने लैंडस्लाइड, 5 मंजिला बिल्डिंग गिरी

हिमाचल में बीते 48 घंटे से बारिश हो रही है। पिछले 10 दिन में 39 लोगों की मौत हुई है। बारिश के चलते कई जिलों में भूस्खलन और पानी भरने की घटनाएं सामने आई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को राज्य में बारिश का रेड अलर्ट है। कई जगहों पर लैंडस्लाइड की आशंका है।

बदरीनाथ हाईवे पर जाम, उत्तरकाशी में 7 मजदूर लापता

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। राज्य के कई जिलों में स्कूल बंद हैं। बागेश्वर जिले में सरयू नदी उफान पर है। उत्तरकाशी के सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना में लापता 7 लोगों के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है।

बड़ा गेम कर रहे हैं चीन और पाकिस्तान

- भारत के पड़ोसियों को जोड़कर बना रहे नया ग्रुप

नई दिल्ली. भारत के साथ तल्खी के बीच पाकिस्तान और चीन क्षेत्रीय स्तर पर नए समूह की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इसमें भारत के अन्य पड़ोसियों को भी शामिल किया जा सकता है। खबरें हैं कि SAARC ब्लॉक की जगह नया समूह तैयार करने की कोशिश की जा रही है। खास बात है कि SAARC में भारत भी शामिल था। इंडिया टुडे ने एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के हवाले से लिखा है कि नए ब्लॉक को लेकर चीन और पाकिस्तान में बातचीत तेजी से चल रही है। खबर है कि 19 जून को चीन के कुनमिंग में हुई बैठक में बांग्लादेश भी शामिल था। उस दौरान भी नए गुट को लेकर चर्चाएं हुई थीं। पाकिस्तान अखबार ने लिखा, '19 जून को कुनमिंग में हुई बैठक का प्रमुख मकसद अन्य दक्षिए एशियाई देशों को बुलाना था, जो पहले SAARC में शामिल थे, ताकि वह नए समूह में शामिल हो सकें।'

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि श्रीलंका, मालदीव और अफगानिस्तान समेत SAARC देश भी इस नए गुट में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में राजनयिक सूत्रों के हवाले से यह भी कहा गया है कि भारत को शामिल होने का न्योता दिया जाता, लेकिन 'अलग हितों को देखते हुए इस बात की संभावनाएं कम है कि वह सकारात्मक जवाब दे।'

SAARC का क्या?

8 दिसंबर 1985 को SAARC का गठन हुआ था। तब इसमें 7 सदस्य थे और 2007 में अफगानिस्तान शामिल हुआ। हालांकि, 2016 से समूह सक्रिय नहीं है। साल 2014 में काठमांडू शिखर सम्मेलन के बाद से ही इसके नेता नहीं मिले हैं। 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए SAARC देशों को जोड़ा था

राहत मांगने गए थे ललित मोदी, सुप्रीम कोर्ट ने दे दिया झटका

नई दिल्ली. उच्चतम न्यायालय ने ललित मोदी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने फेमा के उल्लंघन के लिए ईडी द्वारा उनके ऊपर लगाया गया 10.65 करोड़ रुपये का जुर्माना बीसीसीआई को अदा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

हालांकि, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ललित मोदी को कानून के अनुसार उपलब्ध उपायों का लाभ प्राप्त करने का अधिकार होगा।

पिछले साल 19 दिसंबर को मुंबई उच्च न्यायालय ने ललित मोदी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, और उनकी वह याचिका खारिज कर दी थी।

52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट लॉन्च किए जाएंगे

- AI से लैस, आपस में कनेक्ट रहेंगे
- चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर निगरानी की तैयारी

नई दिल्ली. ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अब अंतरिक्ष में अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने जा रहा है। सरकार ने तय किया है कि 2029 (अगले 4 साल में) तक 52 स्पेशल डिफेंस सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजे जाएंगे, ये सभी सैटेलाइट अंतरिक्ष में भारत की आंख बनेंगे और पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर लगातार नजर रखेंगे।

सैटेलाइट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) बेस्ड होंगे। 36 हजार किमी. ऊंचाई पर ये आपस में कम्युनिकेट कर सकेंगे। इससे पृथ्वी तक सिग्नल भेजने, मैसेज-तस्वीरें भेजने में आसानी होगी।

यह पूरा अभियान रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी के तहत चलाया जा रहा है और इसके लिए सरकार ने स्पेस-बेस्ड सर्विलांस फेज-3' (SBS-3) योजना बनाई है। इसके लिए 26,968 करोड़ का बजट है। इसे अक्टूबर 2024 में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने मंजूरी दी थी।

ISRO और 3 निजी भारतीय कंपनियों की भागीदारी

इस योजना के तहत ISRO 21 सैटेलाइट बनाएगा और लॉन्च करेगा, जबकि 31 सैटेलाइट्स तीन निजी भारतीय कंपनियां तैयार करेंगी। पहला सैटेलाइट अप्रैल 2026 तक लॉन्च किया जाएगा, लेकिन समय सीमा को और घटाने का प्रयास जारी हैं। ये सैटेलाइट्स लो-अर्थ ऑर्बिट और जियोस्टेशनरी ऑर्बिट में तैनात किए जाएंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, SBS-3 का मकसद पाकिस्तान, चीन और हिंद महासागर क्षेत्र को ज्यादा विस्तार में कवर करना है, ताकि कम समय में हाई रिजोल्यूशन निगरानी संभव हो।

6 साल के तेगबीर ने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी पर लहराया तिरंगा

पंजाब के एक छह साल के बच्चे ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इस बच्चे का नाम तेगबीर सिंह है। तेगबीर ने रूस के माउंट एल्ब्रस पर 18510 फुट से अधिक की ऊंची चोटी को फतह किया है। तेगबीर ने 20 जून को माउंट एल्ब्रस की चढ़ाई के लिए यात्रा शुरू की। 28 जून को उन्होंने चोटी फतह कर ली। इसी के साथ छह साल और नौ महीने के तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस फतह करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बन गया है। गौरतलब है कि माउंट एल्ब्रस कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्र है। यहां का सामान्य तापमान शून्य से 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहता है। इसके अलावा चढ़ाई के दौरान कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

भारतीय बच्चे का ही तोड़ा रिकॉर्ड

रूस के पर्वतारोहण, रॉक क्लाइम्बिंग और स्पोर्ट्स टूरिज्म फेडरेशन ऑफ काबर्डिनो बाल्केरियन रिपब्लिक ने तेगबीर को प्रमाणपत्र जारी किया। इसमें लिखा है कि यह प्रमाणित किया जाता है कि भारत के छह साल नौ महीने और चार दिन की उम्र में तेगबीर सिंह माउंट एल्ब्रस पर चढ़ने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के पर्वतारोही हैं। इसी के साथ तेगबीर ने पिछले साल सात वर्ष और तीन महीने की उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले वाघा कुशाग्र (महाराष्ट्र, भारत के मूल निवासी) के विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

इससे पहले अगस्त 2024 में तेगबीर माउंट किलिमंजारो (अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी) पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के एशियाई बने थे।

आतंकियों का गाइड निकला बॉर्डर से पकड़ा गया आरिफ

राजौरी/जम्मू. जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले के 2 महीने बाद सेना ने आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। यहां पूंछ और राजौरी जिलों की सीमा पर नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश करते वक्त गिरफ्तार एक पाकिस्तानी नागरिक की पहचान आतंकवादियों के गाइड के रूप में हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी है। अधिकारियों के मुताबिक मोहम्मद आरिफ नाम का यह शख्स जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के चार आतंकवादियों के एक समूह के साथ भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था।

बेंगलुरु में लिव इन रिलेशन का खौफनाक अंत

- आशा को मारकर कूड़े के ट्रक में फेंक गया शमसुद्दीन

बेंगलुरु. बेंगलुरु में कूड़े के ट्रक में मिले एक महिला के शव के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। महिला की पहचान आशा के तौर पर हुई है, जो मोहम्मद शमसुद्दीन नाम के एक शख्स के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहती थी। पुलिस ने शमसुद्दीन को कत्ल के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। बेंगलुरु नगर निगम की ओर से कचरा उठाने के लिए लगाए गए एक ट्रक में बड़ा सा पॉलिथीन बैग पाया गया था, जिससे बदबू आ रही थी। इस बदबू से जब बुरा हाल हुआ तो बैग को चेक करना पड़ा और उसमें महिला का शव देखकर लोगों के होश उड़ गए।

बैग में पड़े महिला के शव को देखा गया तो हाथ बंधे हुए थे। पुलिस खबर मिलने के बाद मौके पर पहुंची और कत्ल का केस दर्ज किया गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस कई दिनों की जांच के बाद सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के सहारे महिला के प्रेमी मोहम्मद शमसुद्दीन तक पहुंच गई। वह मूल रूप से असम का रहने वाला है। जानकारी मिली है कि शमसुद्दीन 40 साल की महिला के साथ बीते करीब डेढ़ साल से रिलेशनशिप में था। दोनों बेंगलुरु के हुलिमावु इलाके की एक सोसायटी में किराये पर रहते थे।

आशा और शमसुद्दीन की कहानी का एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि दोनों ही पहले से शादीशुदा थे और दोनों के दो-दो बच्चे भी हैं। लेकिन दोनों ने सोसायटी में लोगों को अपना परिचय पति और पत्नी के तौर पर दिया था।

किसी को संदेह भी नहीं था कि वे लिव इन में रहते हैं, लेकिन जब आशा के कत्ल के बाद जांच हुई तो पूरी सच्चाई सामने आई। इस जानकारी से हर कोई हैरान है। आशा के पति की मौत हो गई थी और वह अर्बन कंपनी के लिए काम करती थी, जो घरेलू सेवाएं मुहैया कराती है। इसके अलावा मोहम्मद शमसुद्दीन के भी दो बच्चे हैं और उसकी पत्नी भी जीवित है। वे असम में रहते हैं।

क्या एजबेस्टन में भारत को मिलेगी पहली जीत!

- यहां कभी टेस्ट नहीं जीती टीम इंडिया
- 2 जुलाई से दूसरा मैच

भारत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रहा है। टीम को लीड्स टेस्ट में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया था। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए दूसरा टेस्ट जीतना होगा। यह मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। इस स्टोरी में 143 साल पुराने इस ऐतिहासिक मैदान पर भारत का रिकॉर्ड जानेंगे। साथ ही यहां भारत के टॉप स्कोरर और टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट भी देखेंगे हैं।

58 साल में टेस्ट नहीं जीता, 39 साल पहले ड्रॉ खेला था

भारतीय टीम ने एजबेस्टन मैदान पर पहला मैच 58 साल पहले 1967 में खेला था। 13 जुलाई से 15 जुलाई तक खेले इस मुकाबले में मंसूर अली खान पटौदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 132 रनों की हार झेलनी पड़ी थी। तब से अब तक भारतीय टीम ने इस मैदान पर 8 टेस्ट मैच खेले, लेकिन किसी भी मैच में जीत नसीब नहीं हुई।

भारतीय टीम ने यहां 39 साल पहले 1986 को एक ड्रॉ मैच खेला था। 3 से 8 जुलाई तक चले इस मुकाबले में मोहिंदर अमरनाथ (79 रन), मोहम्मद अजहर (64 रन) और सुनील गावस्कर (54 रन) ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर मैच ड्रॉ कराया था। इस मैच की कप्तानी कपिल देव कर रहे थे।

कोहली टॉप स्कोरर

वर्तमान भारतीय टीम में ऋषभ पंत इकलौते खिलाड़ी हैं, जो एजबेस्टन मैदान पर भारत के टॉप प्लेयर्स की सूची में शामिल हैं। यहां के टॉप स्कोरर्स की सूची में विराट कोहली पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 4 पारियों में 57.75 के एवरेज से 231 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

विवाह में दिखावा कम करे ब्राह्मण समाज : विधायक संजय उपाध्याय

- बल्कि बच्चों के दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाने में खर्च करें पैसा
- सरयूपारीण ब्राह्मण समाज फाउंडेशन द्वारा वर वधू परिचय सम्मेलन आयोजित

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. ब्राह्मण परिवार के बच्चों की शादी की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से अग्रवाल कॉलेज में विश्व ब्राह्मण समाज - कल्याण और सरयूपारीण ब्राह्मण समाज फाउंडेशन द्वारा वर वधू परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। अग्रवाल कॉलेज आडिटोरियम में आयोजित सम्मेलन में प्रमुख अतिथि के रूप पधारे नव निर्वाचित विधायक संजय उपाध्याय ने खचाखच भरे हुए हॉल में ब्राह्मण परिवार को सम्बोधित करते हुए अपील की कि ब्राह्मण समाज वैवाहिक समारोह में दिखावा कम करे और विवाह समारोह में कम से कम खर्च कर के उस पैसे को वर कन्या के दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाने में खर्च करने की सलाह दी।

डॉ.विजय पंडित के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण परिवार उपस्थित रहे।

इस पूर्णतया निःशुल्क वर वधू सम्मेलन आयोजन में सुबह से रजिस्ट्रेशन के लिये भारी भीड़ लगी रही। काफी संख्या में लोग स्वंयस्फूर्त अपने बच्चों का बॉयोडाटा सभागृह में प्रस्तुत कर रहे थे।इस आयोजन में महिलाओं की भी उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस आयोजन में विधायक संजय उपाध्याय,डॉ राधेश्याम तिवारी, डॉ हृदयनारायण मिश्रा, दैनिक 'नवभारत' के संपादक बृजमोहन पांडेय, दैनिक 'महानगर' के सम्पादक राघवेंद्र द्विवेदी, नाला सोपारा मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ ओमप्रकाश दूबे, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ अमर मिश्र, जे.एस.एस. फाउंडेशन के चेयरमैन जगदम्बा तिवारी, भोलानाथ मिश्रा डिग्री कॉलेज के प्रबंधक प्रेमशंकर मिश्र, हिंदी भाषी जनता परिषद डोम्बीवली के अध्यक्ष विश्वनाथ (नन्हे) दूबे, कल्याण के सुप्रसिद्ध समाजसेवक डॉ पंकज उपाध्याय, सुप्रसिद्ध समाजसेवक भवन निर्माता महेंद्र पाठक,रामसन्स परफ्यूम के डायरेक्टर विशाल पांडेय, रामसेवक पांडेय, पूर्व नगरसेवक ओमप्रकाश (मुन्ना) पांडेय, पूर्व नगरसेवक रमाकांत उपाध्याय, कमलादेवी कॉलेज के चेयरमैन सदानंद (बाबा) तिवारी, युवा नेता राकेश पाठक, अरविंद त्रिपाठी, महेश दूबे, अजय दूबे, विजय त्रिपाठी, अखिलेश शुक्ला, युवा नेतृत्व शैलेश तिवारी आदि माम्यवर मंच पर विराजित थे और सभी मान्यवरों का संस्था के माध्यम से यथोचित सम्मान किया गया।

ब्राह्मण समाज का मुख पत्र सरयूपारीण समाचार पत्र का लोकार्पण विधायक संजय उपाध्याय जी के हांथो किया गया।इस अवसर पर 300 वर वधू के बॉयोडाटा पुस्तिका का वितरण भी समाज बंधुओं में किया गया।

विश्व ब्राह्मण समाज - कल्याण द्वारा यह आयोजन पूर्णतया निःशुल्क किया गया।इस आयोजन को यशस्वी बनाने में संस्था के पदाधिकारी उपाध्यक्ष रामचंद्र पांडेय, ओमप्रकाश दूबे,महामंत्री मुरलीधर तिवारी,परामर्श मंत्री कृष्णानंद (मुन्ना) तिवारी,सहमंत्री अमित तिवारी,दर्शन तिवारी, संयुक्त मंत्री विजय त्रिपाठी कार्यकारिणी समिति के राजेश (पप्पू) अमरनाथ पाठक,नागेश मिश्रा और कोषाध्यक्ष जितेंद्र (कुमार) पंडित ने विशेष परिश्रम लिया। ज्ञातव्य है अब तक ब्राह्मण समाज के 19 परिचय सम्मेलन मुंबई और परिसर के वसई, नाला सोपारा, नवी मुंबई,दादर, ठाणे, मलाड, टिटवाला, कल्याण इत्यादि क्षेत्रों में आयोजित किये जा चुके है और सभी आयोजन सफल रहे हैं तथा इन परिचय सम्मेलन के माध्यम से हजारों विवाह तय हुए हैं।

इन सम्मेलनों के नेतृत्व करने वाले डॉ विजय पंडित ने बताया कि इन परिचय सम्मेलनों के माध्यम से ब्राह्मण समाज की प्रमुख वैवाहिक समस्या से निजात पाने में हम कुछ हद तक सफल रहे हैं।

डॉ. विजय पंडित ने आवाहन किया के तीन - तेरा का भेद भुलाकर समग्र समाज एक हो ताकि वैवाहिक समस्या का निदान हो सके। उन्होंने बताया कि अगला सम्मेलन समग्र भारत के ब्राह्मणों का होगा जिसमें उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और मध्य भारत के ब्राह्मणों को एक मंच पर लाकर वैवाहिक समस्या से निदान पाने की कोशिश होगी। डॉ विजय पंडित ने इस कार्यक्रम का संचालन किया और सभी उपस्थित मान्यवरों का आभार माना।

संक्षेप...

लावारिस मृतक के वारिसों की तलाश

ठाणे. एक अज्ञात मृतक व्यक्ति लगभग 65 वर्ष श्री माँ हाई स्कूल कोपरी ठाणे पूर्व के सामने फुटपाथ पर पड़ा मिला, जो किसी शारीरिक बीमारी से पीड़ित था और उसे चिकित्सा उपचार के लिए सिविल अस्पताल, ठाणे में भर्ती कराया गया था। जब उसका चिकित्सा उपचार चल रहा था तब कोपरी पुलिस एक नोट दर्ज किया गया था कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसकी जांच की और उसे किसी बीमारी के कारण मृत घोषित कर दिया। यदि अज्ञात मृतक व्यक्ति के कोई वारिस या रिश्तेदार हैं वह कोपरी पुलिस से संपर्क करें।यह उप-निरीक्षक व्ही.एस. कदम ने आवाहन किया है।

ठाणे में देश के पहले ई-ट्रैक्टर का उद्‌घाटन

ई-ट्रैक्टर किसानों के जीवन में क्रांति लाएगा-परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

ठाणे. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल और पैसे बचाने वाला ई-ट्रैक्टर कृषि क्षेत्र में क्रांति लाएगा।वह ठाणे स्थित आरटीओ कार्यालय में देश के पहले ई-ट्रैक्टर का पंजीकरण करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल,उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर, ई-ट्रैक्टर बनाने वाली एटोनेक्स कंपनी के सीईओ कौस्तुभ धोंडे और सेल्स मैनेजर अभिषेक शिंदे मौजूद थे।मंत्री सरनाईक ने कहा कि सरकार की नीति है कि 2030 तक सड़क पर कुल वाहनों की संख्या का 20 से 30 प्रतिशत

इलेक्ट्रिक होना चाहिए। इसके अनुसार सरकार ने ई-वाहनों की खरीद पर टोल माफी और प्रत्यक्ष सब्सिडी देने की योजना बनाई है। इससे ई-ट्रैक्टर खरीदने वाले किसानों को लाभ होगा। साथ ही स्वर्गीय अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक विकास निगम के माध्यम से उन्हें ई-ट्रैक्टर खरीदने के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके साथ ही ई-ट्रैक्टर की रखरखाव और मरम्मत की लागत अन्य डीजल ट्रैक्टरों की तुलना में लगभग शून्य है। साथ ही उपयोग के दौरान खपत होने वाली बिजली की लागत डीजल ईंधन की तुलना में 60 से 70 प्रतिशत कम हो जाएगी। इसलिए ई-ट्रैक्टर भविष्य में किसानों के लिए कारगर साबित होगा।अक्षय प्रौद्योगिकी पर आधारित कंपनी ऑटोनेक्स्ट ने भारत का पहला स्वदेशी रूप से निर्मित ई-ट्रैक्टर बाजार में सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। आज इस ट्रैक्टर का पहला आधिकारिक वाहन पंजीकरण समारोह ठाणे में आरटीओ कार्यालय में आयोजित किया गया था।

1.5 लाख तक की सब्सिडी

महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2025 के तहत ऑटोनेक्स्ट कंपनी को ई-ट्रैक्टर की खरीद पर 1.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी।

1 एकड़ की जुताई की लागत 300 रुपए

ई-ट्रैक्टर का उपयोग मुख्य रूप से कृषि कार्य के लिए किया जाएगा। 1 एकड़ की जुताई के लिए ई-ट्रैक्टर की लागत मात्र 300 रुपये है। वहीं डीजल ट्रैक्टर की लागत 1200 से 1500 रुपये है। इसलिए रखरखाव लागत में बचत के साथ-साथ ई-ट्रैक्टर किसानों को दैनिक उपयोग में काफी पैसे बचा सकता है।

एकविरा देवी मंदिर में 7 जुलाई से ड्रेस कोड

भिवंडी. कार्ला एकविरा आई ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगरी कोली समाज के लाखों श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक स्थल कारला में एकवीरा आई के दर्शन के लिए खुले कपड़े पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. यह प्रतिबंध एकवीरा आई और मंदिर की पवित्रता को बनाए रखने के लिए लगाया गया है और ड्रेस कोड के बारे में नए नियम 7 जुलाई से लागू किए जाएंगे.

सांसद बाल्या मामा ने बताया कि शुक्रवार को करला स्थित ऐ एकवीरा देवी मंदिर के न्यासी मंडल की बैठक में ड्रेस कोड संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया.कारला में एकवीरा आई लाखों भक्तों का पूजा स्थल है और राज्य और देश के कई हिस्सों से भक्त देवी के दर्शन के लिए आते हैं. हालांकि, कुछ भक्त देवी के दर्शन के लिए खुले कपड़े पहनकर आते हैं,

इसके कारण न्यासी मंडल को कई शिकायतें प्राप्त हुईं कि देवी और मंदिर की पवित्रता को खतरा हो रहा है.कई श्रद्धालुओं ने सोशल मीडिया के जरिए इस संबंध में ड्रेस कोड की मांग की थी. सांसद बाल्या मामा ने बताया है कि श्रद्धालुओं की मांग के अनुसार न्यास मंडल की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया. नए ड्रेस कोड में शॉर्ट्स, मिनी स्कर्ट, पश्चिमी कपड़े, रिप्ड जींस, हाफ पैंट और पुरुष और महिलाओं दोनों के लिए शरीर को उजागर करने वाले कपड़ों पर प्रतिबंध रहेगा. दर्शन के लिए आने वाली महिला श्रद्धालुओं को साड़ी, सलवार कुर्ता या अन्य भारतीय पारंपरिक कपड़े पहनने चाहिए जो पूरे शरीर को ढकते हों. पुरुषों को धोती, कुर्ता, पायजामा, पैंट, टी-शर्ट और अन्य पारंपरिक कपड़े पहनने चाहिए.

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में भक्तों की उमड़ी भारी भीड़

भिवंडी. भिवंडी में वराला देवी तालाब से निकली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयत्रा में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी दिखाई पड़ी.भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा को हाथों से खींचने के लिए भक्तगण बड़े लालायित दिखाई पड़े. वराला देवी तालाब चौक से इस्कॉन मंदिर मानसरोवर भिवंडी प्रबंधक संदेश चंद्रहास भंडारे की अगुवाई में गाजे बाजे के साथ धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आर्शीवाद नगर, शंकर मदिर से गुजरकर पीस पार्क, कमातघर, काटेकर ग्राउंड, चंदन बाग से होते हए वराला देवी माता मंदिर से होकर मानसरोवर स्थित इस्कॉन मंदिर पर समाप्त हुई.रथयात्रा के दौरान भक्तगण भगवान जगन्नाथ की जयकार कर रहे थे.भगवान की रथयात्रा में भारी संख्या में भक्तगण महिला,पुरुष पीले वस्त्रों का परिधान धारण कर रथयात्रा के आगे पीछे भगवान जगन्नाथ जी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे.

डिप्टी सीएम शिंदे के उपस्थिति में उबाठा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल

- **नासिक में उबाठा को लगा बड़ा झटका**

ठाणे. शहर स्थित वागले स्टेट के कियारा हाल में आयोजित कार्यक्रम में नासिक उबाठा समूह के पूर्व महानगर प्रमुख विलास शिंदे समेत नासिक मनपा के सात नगरसेवक, सरपंच, उपसरपंच और ग्राम पंचायत सदस्य शिवसेना में शामिल हो गए।

इस अवसर पर उडिप्टी सीएम शिंदे ने सभी का पार्टी में स्वागत किया। पार्टी में शामिल होने वालों में नासिक मनपा के पूर्व नगरसेवक

संतोष गायकवाड़, नयना गांगुर्डे, विष्णुपंत बेंडकुले, प्रवीण पालदे, पल्लवी पाटिल, नीलेश ठाकरे, उषाताई शेल्के शामिल हैं। उनके अलावा, उबाठा उपमहानगर महापौर निवृत्ति इंगोले, जिला परिषद सदस्य सोमनाथ फडोल, राष्ट्रवादी तहसील अध्यक्ष मोहनीश डोंडे, उबाठा युवा सेना तहसील अध्यक्ष सुनील मटे, त्र्यंबकेश्वर अध्यक्ष खंडू भोये, सरपंच रमेश भोये, दिलीप चौधरी, इगतपुरी राष्ट्रवादी कांग्रेस के उपाध्यक्ष दशरथ ढांडे, राजेश मोरे, नितिन भागवत, दयाराम अहेर, संकेत सतभाई, सचिन कार्डिले सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी शिवसेना में शामिल हुए।इस अवसर पर स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, सांसद नरेश म्हस्के, शिवसेना सचिव राम रेपाले, शिवसेना उत्तर महाराष्ट्र सचिव भाऊसाहेब चौधरी, पूर्व सांसद हेमंत गोडसे, किशोरप्पा करंजकर, जिला प्रमुख भाऊलाल तांबडे, महानगर प्रमुख प्रवीण तिड़मे सहित शिवसेना के सभी प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक केलकर की पहल पर नि:शुल्क नोटबुक वितरण

ठाणे. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विधायक संजय केलकर की पहल पर गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क नोटबुक का वितरण किया जा रहा है।पिछले 20 वर्षों से विधायक केलकर का यह सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा उनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों को निःशुल्क नोटबुक वितरण हो रहा है।निःशुल्क नोटबुक वितरण का भव्य कार्यक्रम ठाणे के नौपाड़ा, चंदनवाड़ी, मनोरमा नगर, ढोकाली, राबोडी, धर्मवीरनगर, महागिरी जैसे 15 अलग-अलग जगहों पर लगातार तीन दिनों तक आयोजित किया जाएगा।लगभग चौदह हजार नोटबुक वितरण की जाएंगी। किसी भी विद्यार्थी की पढ़ाई बाधित न हो इस उद्देश्य से हम निःशुल्क नोटबुक वितरण कर रहे हैं. नौपाड़ा क्षेत्र में पंढरीनाथ पवार और चंदनवाड़ी में संतोष सालुंखे केलकर द्वारा और विधायक निरंजन डावखरे की उपस्थिति में निशुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। चंदनवाड़ी में नोटबुक वितरण कार्यक्रम में भाजपा ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संदीप लेले, परिवहन सदस्य विकास पाटिल और पूर्व वरिष्ठ नगरसेवक नारायण पवार मौजूद थे।

प्रशासक राज की पोल खुलना शुरू

- **मुख्य सचिव ने अपात्र उप अभियंता की पदोन्नति का मांगा ब्यौरा**

भिवंडी. भिवंडी मनपा में प्रशासक राज में भ्रष्ट तरीके से लिए गए फैसलों की कलाई खुलना शुरू हो गई है.समाजसेवक परमेश्वर अंभोरे द्वारा मुख्य सचिव सुजाता सौनिक को लिखित पत्र देकर प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य के कार्यकाल 2023 -24 में भ्रष्ट तरीके अपनाकर कनिष्ठ अभियंता शेखर चौधरी को दी गई पदोन्नति की जांच की मांग की है.शिकायत पर गंभीर रुख अख्तियार करते हुए महाराष्ट्र मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर से कनिष्ठ अभियंता चंद्रशेखर चौधरी की पदोन्नति मामले की संपूर्ण जानकारी तलब की है. मुख्य सचिव द्वारा पदोन्नति प्रकरण की जांच से तत्कालीन मनपा प्रशासक अजय वैद्य की भ्रष्ट कार्यप्रणाली पर उंगलियां उठनी शुरू हो गई हैं.

गौरतलब हो कि, समाजसेवक परमेश्वर अंभोरे का आरोप है कि,भिवंडी मनपा सेवा में वाहन विभाग में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता चन्द्रशेखर लक्ष्मण चौधरी द्वारा महाराष्ट्र शासन द्वारा पदोन्नति हेतु अति अत्यावश्यक व्यवसायिक परीक्षा नहीं देने के बावजूद 2024 में तत्कालीन प्रशासक,आयुक्त अजय वैद्य ने आर्थिक फायदे की खातिर पदोन्नति के जरूरी नियम को ताक पर रखते हुए चंद्रशेखर चौधरी को उप अभियंता पद पर पदोन्नति देकर सचिव नगर विकास को पदोन्नति प्रस्ताव मंजूरी की खातिर भेजा है.अंभोरे का आरोप है कि,कनिष्ठ अभियंता चौधरी की पदोन्नति प्रस्ताव मनपा सेवा शर्त नियमों के पूर्णतया खिलाफ है.कनिष्ठ अभियंता चंद्रशेखर चौधरी पर वाहनों का इंश्योरेंस घोटाले का आरोप है जिसमें कोर्ट के दखल के उपरांत भिवंडी मनपा को लाखों रुपए आर्थिक दंड चुकाना पड़ा है.मनपा वाहन विभाग में रहकर चौधरी ने भारी भ्रष्टाचार किया है जिसकी समग्र जांच भी जरूरी है.सूत्रों की माने तो मुख्य सचिव सुजाता सौनिक द्वारा कनिष्ठ अभियंता चौधरी के बारे में मांगी गई तमाम जानकारी प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने अस्थापना विभाग से मांगी है.उप अभियंता पद पर हुई पदोन्नति संबंधित संपूर्ण रिपोर्ट जल्द ही मुख्य सचिव को दी जाएगी.शिकायतकर्ता परमेश्वर अंभोरे का कहना है कि, महाराष्ट्र मुख्य सचिव,नगर विकास विभाग अगर तत्कालीन प्रशासक, आयुक्त अजय वैद्य के 2023-24 के कार्यकाल की जांच करें तो मनपा को नुकसान पहुंचाने वाले भ्रष्ट तरीके से लिए गए अनगिनत फैसले उजागर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है.

पड़घा कब्रिस्तान में साकिब नाचन को दफनाया गया

- **आतंकी के जनाजे में हजारों लोग शामिल**

भिवंडी. आतंकी वारदातों में शामिल संगठन आईएसआईएस के महाराष्ट्र मॉड्यूलर के सरगना के रूप में चर्चित साकिब नाचन की शनिवार को दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई.सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे उसके शव को पडघा कब्रिस्तान में दफनाया गया. अस्पताल और अदालती प्रक्रियाओं के बाद शव को रविवार देर रात मुंबई के जेजे अस्पताल लाया गया और वहां से आधी रात के करीब बोरीवली स्थित उसके घर ले जाया गया.

सोमवार को सुबह 10 बजे बोरीवली कब्रिस्तान में सुपुर्दे ए खाक के पहले नमाज की गई, जिसके बाद पडघा कब्रिस्तान में दफना दिया गया. जनाजे में भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया. साकिब नाचन को 9 दिसंबर 2023 को एनआईए द्वारा चलाए गए ऑपरेशन में बोरीवली गांव से 15 अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया था. वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद था. ब्रेन हेमरेज के बाद उसे वहां के अस्पताल में भर्ती कराया गया था. एटीएस ने पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में उसके बेटे शमील को 8 अगस्त 2023 को गिरफ्तार किया था.शमील नाचन पुलिस सुरक्षा के तहत तलोजा जेल से अंतिम संस्कार में शामिल हुए. अदालत ने उन्हें अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी थी. साकिब नाचन के शव को दफनाने के लिए घर लाया जाना था, इसलिए बोरीवली और पडघा इलाकों में कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. स्थानीय पडघा पुलिस समेत ठाणे ग्रामीण इलाके के 350 से ज़्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था.ख़ुफ़िया पुलिस, एटीएस और सादे कपड़ों में कई पुलिसकर्मी जगह-जगह नज़र बनाए हुए थे.

आम सूचना

मैं श्रीमती कोमल अनिल लालवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 303, तीसरा माला, साईदीप अपार्टमेंट, बैरक नं. 70, रुम नं. 16, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 15एआय015756500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती गोदावरी खेमचंद वाधवा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 4.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती कोमल अनिल लालवानी

परेश रावल ने हेरा फेरी-3 में वापसी कन्फर्म की

- **अक्षय कुमार-प्रियदर्शन से विवाद खत्म किया**
- **कहा- ऑडियंस के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारी है**

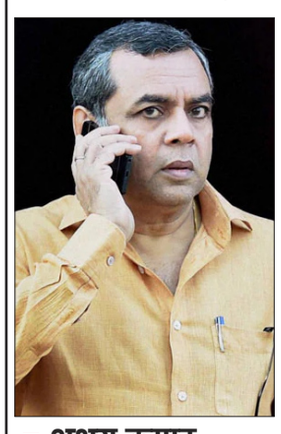

परेश रावल ने हेरा फेरी 3 का विवाद खत्म करते हुए फिल्म में वापसी का कन्फर्मेशन दे दिया है। कुछ समय पहले ही क्रिएटिव डिफरेंस के चलते परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 छोड़ दी थी, जिससे फैंस काफी निराश थे। हालांकि, अब एक्टर ने फिल्म में वापसी कन्फर्म करते हुए कहा है कि वो चाहते हैं कि सब साथ आएं और मेहनत करें।

परेश रावल से हिमांशू मेहता के पॉडकास्ट में हेरा फेरी 3 से जुड़े विवाद पर सवाल किया गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'नहीं कॉन्ट्रोवर्सी कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि जब कोई चीज लोगों को इतनी ज्यादा भाती है तो आपको एक्स्ट्रा केयरफुल रहना होता है। ऑडियंस के प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां हैं। ऑडियंस ने आपको बहुत सराहा है। आप चीजों को हल्के में नहीं ले सकते। मेहनत करके उनको दो। इसलिए मेरा मानना था कि सब हाथ में आएं, मेहनत करें और कुछ नहीं।'

बातचीत में जब परेश से पूछा गया कि क्या अब वो फिल्म में नजर आएंगे। इसके जवाब में एक्टर ने कहा है, 'पहले भी आने ही वाली थी, लेकिन हमें खुद को और बेहतर बनाना था। आखिर में सब बहुत क्रिएटिव हैं, चाहे प्रियदर्शन हों, अक्षय हों या सुनील। वो मेरे सालों से दोस्त हैं।'

परेश रावल ने फिल्म छोड़ी तो अक्षय ने भेजा था लीगल नोटिस

दरअसल, परेश रावल हेरा फेरी 3 का हिस्सा थे, हालांकि उन्होंने एक इंटरव्यू में फिल्म छोड़ने की अनाउंसमेंट कर दी। फिल्म को अक्षय कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं। ऐसे में परेश के अचानक फिल्म छोड़ने की खबर आने के बाद एक्टर की टीम ने उन्हें लीगल नोटिस भेज दिया। अक्षय की वकील पूजा तिडके ने कहा था कि प्रोडक्शन कंपनी ने फिल्म पर काफी पैसा खर्च किया है, इसलिए इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

परोपकार संस्था द्वारा 211 छात्रों को शैक्षिक सामग्री वितरित

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. परोपकार साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संस्था ने शिक्षा से उज्ज्वल भविष्य की अवधारणा के तहत भिवंडी पावरलूम नगरी में गरीब, जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में आर्थिक मदद का हाथ बढ़ाया है. पद्मानगर स्थित अखिल पद्मशाली तेलुगू समाज सभागृह में आयोजित भव्य कार्यक्रम में परोपकार संस्था केंद्रीय समिति प्रमुख राम किशोर दरक के कुशल मार्गदर्शन में परोपकार संस्था भिवंडी समिति अध्यक्ष मनोज दुढाणी के नेतृत्व में संस्था पदाधिकारियों की टीम ने करीब 211 जरूरतमंद छात्र, छात्राओं को

पाठ्य सामग्री, रेन कोट, टिफिन बॉक्स, बैग, वाटर बोतल सहित स्कूली फीस में मदद की खातिर 2,500 रुपए का धनादेश प्रदान कर हौंसला अफजाई की. पद्मानगर स्थित पद्मशाली हाल में अयोजित भव्य कार्यक्रम में परोपकार संस्था के केंद्रीय समिति प्रमुख रामकिशोर दरक, सहसचिव रमेश मुंदड़ा, भिवंडी समिति उद्योगपति अध्यक्ष मनोज दुढाणी,सचिव रमेश मूंदड़ा, उद्योगपति मुरली तापड़िया,समाजसेवी कृष्णा गाजेंगी, द्वारका प्रसाद असावा, गजानन लोहिया, मुरली राठी,संजय कोठारी, राजू गाजेंगी, महावीर बियानी, अखिल पद्मशाली समाज अध्यक्ष रामकृष्ण पोटाबट्टिनी, कार्यकारी अध्यक्ष मलेशम कोंका,एड व्यंकटेश चिटकेन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. परोपकार संस्था द्वारा गरीब,जरूरतमंद विद्यार्थियों के शिक्षण में प्रति वर्ष की जा रही शैक्षिक सामग्री के साथ ही फीस के लिए आर्थिक मदद किए जाने हेतु अभिभावकों ने खुशी का इजहार प्रकट कर परोपकार संस्था पदाधिकारियों का आभार प्रकट किया.परोपकार भिवंडी समिति अध्यक्ष उद्योगपति मनोज

दुढाणी ने बताया कि, परोपकार संस्था का एकमेव उद्देश्य सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में पारदर्शिता से कार्य करके जरूरतमंदों का सहयोग एवं देश का गौरव बढ़ाना प्राथमिकता है.

1 जुलाई से 30 सितंबर तक विशेष वित्तीय साक्षरता अभियान

ठाणे. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशानुसार ठाणे जिले में 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक विशेष वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया जाएगा।इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में वित्तीय जागरूकता पैदा करना है। इसमें डिजिटल वित्तीय साक्षरता, जिम्मेदारी से उधार लेना, धोखाधड़ी से बचने के लिए जागरूकता के साथ-साथ प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी शामिल होगी।जिले के सभी राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक, डीसीसी बैंक की ग्रामीण शाखाएँ इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेंगी। बैंक शाखाओं के माध्यम से शिविर, गाँव-गाँव जागरूकता और प्रचार कार्यक्रम लागू किए जाएँगे। दूरदराज के क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं का विस्तार करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।सभी नागरिकों, स्वयं सहायता समूहों, ग्राम स्तर के अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय मीडिया से इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की जाती है।अधिक जानकारी के लिए या अपने क्षेत्र में कार्यक्रम में भाग लेने के लिए, निकटतम बैंक शाखा या ठाणे जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक कार्यालय से संपर्क करें।

Staff Required
SINDHI MALE
Qualification
B.COM PASSED
For ACCOUNTANT
&
For SALESMAN
Qualification-
10TH PASSED
CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

उल्हास वि NEWS LIVE
FOLLOW US
@ulhasvikas
ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास

Late Shri. ASHOK U. BODHA
18-02-1945 to 19-12-2017
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
www.ulhasvikas.com
epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

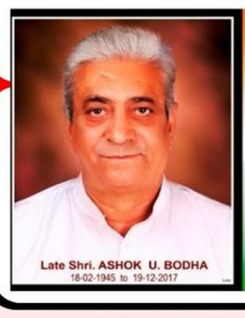

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099